दैनिक भास्कर, 23.10.2019

पुस्तकालय और सूचना सेवाओं के परिवर्तन के लिए मूल्यवर्धन पर वार्ता

पिलानी. वार्ता में मौजूद प्रो. जगतारसिंह व अन्य।

पिलानी | बिट्स पिलानी लाइब्रेरी परिसर में मंगलवार को पुस्तकालय और सूचना सेवाओं के परिवर्तन के लिए मूल्यवर्धन विषय पर वार्ता का आयोजन किया गया। वार्ता के दौरान पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग पटियाला विश्वविद्यालय, पंजाब के प्रो. जगतारसिंह ने पुस्तकालय पेशेवरो द्वारा ज्ञान के वर्गीकरण और प्रसार के महत्व पर चर्चा करते हुए उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं के विकास व समर्थन के लिए नई प्रौद्योगिकियों व तरीको को लागू करने पर बल दिया। इससे पूर्व लाइब्रेरियन कुंकुर ने उनका स्वागत करते हुए बिट्स लाइब्रेरी में उपलब्ध सेवाओं व सुविधाओं पर प्रकाश डाला।

दैनिक अंबर, 2010.2019

बिट्स पिलानी लाईब्रेरी में शैक्षणिक पुस्तकालयों में पुस्तकालय और सूचना सेवाओं के परिवर्तन के लिए मूल्यवर्धन विषय पर वार्ता

दैनिक अंबर

पिलानी (नि.सं.)। बिट्स पिलानी परिसर लाइब्रेरी में प्रोफेसर जगतार सिंह,पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग,पटियाला विश्वविद्यालय,पंजाब द्वारा गुणवत्ता प्रबंधन पर ज्ञान प्रबंधन शैक्षणिक पुस्तकालयों में पुस्तकालय और सूचना सेवाओं के परिवर्तन के लिए मूल्य संवर्धन विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया गया। लाइब्रेरियन कुन्कुर ने प्रोफेसर जगतार सिंह का स्वागत किया तथा भाषण में बताया कि डिजिटल प्रौद्योगिकिया आज के समय में वर्तमान उपयोगकर्ता को सीखने और समझने के लिए निरंतर खोज को बदलने का लक्ष्य लेकर चल रही हैं। शैक्षणिक पुस्तकालयों को इन प्रौद्योगिकियों को उपयोग में लाने और उन्हें उन तरीकों से लागू करने के लिए चुनौती दी जाती है जो बहुत उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं के विकास और समर्थन के लिए अपनी क्षमता का अनुकूलन करते हैं। प्रो. जगतार सिंह ने पुस्तकालय पेशेवरों द्वारा ज्ञान के वर्गीकरण और प्रसार के महत्व के बारे में बात की।

उन्होंने विलम शेक्सपियर के उद्धरण टूबीऑरनॉटटूबी और लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स की तीन श्रेणियों पर विस्तरीत चर्चा की जैसे लीड करें,फॉलो करें या छोड़े,उन्होंने लाइब्रेरी के पेशेवरों के लिए कौशल सुनने के महत्व के बारे में बताया,जहां उन्हें उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को सुनना चाहिए ताकि वे बेहतर ढ़ग से सेवा दे सकें और समस्याओं से बचने के लिए क्षमताओं और सामान्य ज्ञान में सुधार कर सकें। उन्होंने पुस्तकालय सेवाओं की गुणवत्ता के बारे में भी बात की। उन्होंने अपनी बात में बार-बार उल्लेख किया कि किसी को इतिहास या रहस्य के बारे में ज्यादा परेशान नहीं करना चाहिए, लेकिन रसायन विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो वर्तमान और तत्काल है इसके साथ ही मुद्रित प्रकाशनों से डिजिटल दस्तावेजों, पुस्तकालयों से लेकर नेटवर्क तक आदि के बारे में भी चर्चा की। इस दौरान पिलानी के विभिन्न शिक्षण सस्थानों के पुस्तकालयाध्यक्ष भी उपस्थित थे। समापन पर डॉ.इष्पा बैन्डी ने सभी को धन्यवाद प्रेषित किया।